विषय - प्रवेश

B.A - III
Paper - VI

INTRODUCTION

पिछले कक्षा में हमलोगों ने संगठनात्मक व्यवहार के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा दिये गये परिभाषाओं के बारे में जाना और अब इसके इतिहास के बारे में चर्चा करेंगे।

संगठनात्मक व्यवहार के इतिहास में प्रमुख योगदान :—

1. 1943 — समूह जलवायु का कैविन का अध्ययन (नेतृत्व की आधारभूत शैलियों में अन्तर)

2. 1951 — ओहियो नेतृत्व अध्ययनों का प्रकाशन (नेतृत्व व्यवहार के आधारभूत आयामो में अंतर)

3. 1958 — फीडलर की नेतृत्व प्रवृत्तियाँ तथा समूह प्रभावशीलता का प्रकाशन (नेतृत्व की आकस्मिकता संभावना पर विशेष बल)

4. 1967 — लॉरेंस एंव लार्च का संगठन एंव वातावरण का प्रकाशन (यह बताया कि बाह्य वातावरण संगठन को किस प्रकार प्रभावित करता है।)

5. 1960 — मेकग्रेगर की ह्यूमन साइड ऑफ इंटरप्राइज का प्रकाशन (थ्योरी एक्स एंव थ्योरी वाई की स्थापना)

6. 1964 — व्रूम का 'कार्य एंव अभिप्रेरणा' का

प्रकाशन (प्रयोगात्मक विचारधारा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान)

7. 1973 — मिन्टजबर्ग का प्रकाशन- प्रबंधकीय कार्य की प्रकृति (उन प्रयासों को वास्तव में समझने पर बल जो प्रबंधक करते हैं)

8. 1978 — फ़ेफ़र तथा सालान्सिक का प्रकाशन- संगठनों का बाह्य नियंत्रण (संसाधन निर्भरता सम्भावना को स्पष्ट किया।)

9. 1981 — विलियम औची का प्रकाशन- 'थ्योरी जेड' (अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भ में मूल्य आंकलन में वृद्धि पर प्रोत्साहन)

उपरोक्त दृष्टिकोण मुख्य तीन बातों को स्पष्ट करते हैं।

(I) आधुनिक संगठनात्मक व्यवहार इस बात पर जोर देता है कि यदि उपयुक्त कार्य दशाएँ उपलब्ध करायी जाती हैं तो कर्मचारी स्वतः अच्छे कार्य करने हेतु प्रेरित होते हैं। ऐसी परिस्थितियों में कर्मचारी संगठन के प्रति प्रतिबद्ध होते हैं तथा वांछित दशाओं में अपने व्यवहार को विकसित करते हैं।

(II) आधुनिक संगठनात्मक व्यवहार आकस्मिकता विचारधारा पर आधारित है। यह मानता है कि निम्न प्रश्नों का सही उत्तर परिस्थितियों पर

निर्भर हैं :—

(क) नेतृत्व की सर्वोत्तम शैली कौन सी है?

(ख) कर्मचारी अभिप्रेरणा का सर्वाधिक प्रभावशाली माध्यम क्या है?

(ग) कठिन निर्णयों तक पहुँचने की सर्वोत्तम तकनीक कौन सी है?

(iii) अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इसको विस्तृत और व्यापक रूप से प्रस्तुत किया गया है। अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के सन्दर्भ में विभिन्न राष्ट्रों में कार्य दशाओं के मध्य बेहतर समझ तथा उसके प्रभाव से जो कि संगठन एवं व्यक्ति दोनों को प्रभावित करती है। साथ ही, इसमें यह भी सम्मिलित है कि ये अन्तर किस प्रकार विभिन्न संस्कृतियों एवं समाजों से सम्बन्धित है। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण विचारधारा, विलियम औंची द्वारा प्रतिपादित 'थ्योरी जेड' (Theory Z) है। विभिन्न राष्ट्रों के बीच अन्तर्निर्भरता आज संगठनात्मक व्यवहार को अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भ में मान्यता एवं स्वीकृति प्रदान करती है।

Hrishi Kesh lal.
Next day Deptt — Psychology.
B.M.C. Rahika.